सरकार का डिजिटल एजुकेशन पर फोकस, लर्निंग आउटकम होगा बेहतर

स्मार्ट हो रहे प्रदेश के क्लास रूम, 8 हजार से ज्यादा स्कूलों में हो रही डिजिटल पढ़ाई

राजस्थान की सरकार डिजिटल एजुकेशन पर फोकस कर रही है। प्रदेश के स्कूलों के क्लास रूम स्मार्ट हो रहे हैं। अब तक प्रदेश के आठ हजार से अधिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम तैयार करवाए जा चुके हैं। इन्फॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी योजना के तहत आईसीटी कंप्यूटर लैब बनाई जा रही हैं। इसके तहत स्मार्ट टीवी और सेट टॉप बॉक्स भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। स्मार्ट क्लासरूम बनाने का मकसद लर्निंग आउटकम्स को और बेहतर करना है।

गौरतलब है कि लर्निंग आउटकम्स में फिलहाल राजस्थान का चंडीगढ़ के बाद दूसरा स्थान है। इसे और बेहतर करने का प्रयास विभाग की ओर से जारी है। स्मार्ट क्लास रूम में जीव विज्ञान, फिजिक्स, कैमिस्ट्री, गणित जैसे तकनीकी विषयों की क्लासेज विषय विशेषज्ञ ऑनलाइन और ई-कंटेंट के माध्यम से ऑनलाइन विद्यार्थियों को पढ़ा सकेंगे। स्मार्ट क्लास रूम में इंटरनेट सुविधा युक्त स्मार्ट टेलीविजन और हाईटेक प्रोजेक्टर लगाए जा रहे हैं। राज्य सरकार का डिजिटल एजुकेशन पर फोकस है, क्योंकि कोविड के कारण लंबे समय तक बच्चों की पढ़ाई का काफी नुकसान हुआ था। इसके बाद सरकार की ओर से स्मार्ट क्लास रूम विकसित करने व ई-कंटेंट को बढ़ावा देना शुरू कर दिया। सरकार का यह प्रयोग काफी सफल रहा। इसी को ध्यान में रखते हुए अब सरकार डिजिटल लर्निंग पर फोकस कर रही है।

छात्रों को ई-कंटेंट देने के लिए काम आ रहे दो पोर्टल

ई-ज्ञान पोर्टल से भी राज्य में सभी छात्र-छात्राओं को ई-कंटेंट मिल रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी व संचार विभाग के सहयोग से कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए यह पोर्टल शुरू किया गया है। विद्यार्थी इस पोर्टल की मदद से अपना ज्ञान निरंतर अपग्रेड कर सकते हैं। दीक्षा राइज पोर्टल का मकसद भी राज्य में सभी छात्र-छात्राओं को ई-कंटेंट की पहुंच आसान करना है।

Dainik Bhaskar Pg 6, 20-07-2023.